इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–100
(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

भारतीय नृत्य का इतिहास

इकाई –1

1. प्रागैतिहासिक से वर्तमान काल तक भारतीय नृत्य के इतिहास एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –2

1. निम्नलिखित गुफाओं में अंकित नृत्य चित्रों एवं नृत्य मूर्तियों का सामान्य अध्ययनः–
   अंजता, एलोरा, एलीफेन्टा, धौलगिरी, उदयगिरी, सीतावेंगा।
2. रामायण, महाभारत तथा विभिन्न पुराणों में वर्णित नृत्य संदर्भो का अध्ययन।

इकाई –3

1. देवदासी प्रथा के इतिहास एवं भारतीय नृत्य के विकास में उनके योगदान का अध्ययन।
2. रास नृत्य के इतिहास एवं विकास का अध्ययन।

इकाई –4

1. कालिदास के नाटकों में वर्णित नृत्य प्रसंगों का संक्षिप्त अध्ययन।
2. भास के नाटकों में वर्णित नृत्य प्रसंगों का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई –5

1. निम्नलिखित मंदिरों में अंकित नृत्य मूर्तियों का अध्ययनः–
   बृद्धेश्वर, चिदम्बरम, कोणार्क, खजुराहो एवं भोरमदेव।
2. भरत के नाट्य शास्त्र में वर्णित नाट्योत्पत्ति का अध्ययन।

Mandavi 16.3.21 16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा पूर्णांक–100

(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

नृत्य का शास्त्रीय एवं प्रायोगिक सिद्धान्त

इकाई –1

1. अभिनय एवं उसके प्रकारों का विस्तृत अध्ययन।
2. ताल के दस प्राण का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –2

1. नाट्य, नृत्त एवं नृत्य का अध्ययन।
2. तांडव एवं लास्य का अध्ययन।

इकाई –3

1. नायक एवं नायिका भेदों का अध्ययन।
2. निम्नलिखित का संक्षिप्त अध्ययनः–
   करण, अंगहार, वृत्ति एवं प्रवृत्ति

इकाई –4

1. विभिन्न कथानकों में नृत्य नाटिकाओं की संरचना का अध्ययन।

इकाई –5

1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अनुसार उल्लेखित तालों एवं उनमें सीखे हुये तोड़े/टुकड़े, परन, आमद, कवित्त एवं तिहाई आदि को लिपिबद्ध करने की क्षमता।

Mandavi 16.3.21 16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–प्रथम सेमेस्टर

पूर्णांक, 100

प्रायोगिक

(मौखिक एवं प्रदर्शन) (आंतरिक 30 बाह्य 70)

1. गणेश वंदना एवं गुरूवंदना से सम्बंधित श्लोक में नृत्य प्रदर्शन।
2. कसक, मसक एवं कटाक्ष के साथ थाट का विशेष प्रदर्शन।
3. ताल त्रिताल में दो आमद, चार तोड़ा/टुकड़ा, दो परन, दो चक्करदार परन, दो चक्करदार तोड़ा, दो प्रिमलू, दो कवित्त एवं चार तिहाई।
4. तत्कार का विशिष्ट प्रदर्शन।
5. 'छूट' एवं 'मुरली' गतनिकास का विशेष प्रदर्शन।
6. ताल झपताल एवं ताल धमार में निम्नलिखित अनुसार नृत्य प्रदर्शन का अभ्यासः–

   थाट, दो आमद, दो परन, तीन तोड़ा/टुकड़ा, दो चक्करदार तोड़ा और परन कवित्त एवं तिहाई आदि।
7. 'माखन चोरी' एवं 'गोवर्धन पूजा' गतभाव का प्रदर्शन।
8. किसी एक भजन एवं ठुमरी में भाव प्रदर्शन।

Nandani 16.3.21

16.3.21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–

(आंतरिक – बाह्य –)

कथक नृत्य का इतिहास एवं विकास

इकाई –1

1. कथक नृत्य के इतिहास एवं विकास का विस्तृत अध्ययन।
2. लखनऊ के नवाब वाजिद अलीशाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेष उल्लेख करते हुये मुस्लिम एवं हिन्दू राजाओं के दरबार में कथक नृत्य के विकास का अध्ययन।

इकाई –2

1. रायगढ़ घरानें के चार प्रतिनिधि कलाकारों पं. कार्तिक राम, पं. कल्याण दास महंत, पं.फिरतू दास एवं पं. बर्मन लाल जी की जीवनी एवं कथक नृत्य में इनके योगदान का अध्ययन।
2. शासन एवं विभिन्न जन संस्थाओं द्वारा कथक नृत्य के विकास में किये जाने वाले प्रयासों का अध्ययन।

इकाई – 3

1. कथक नृत्य में गुरू शिष्य परंपरा एवं उसके महत्व का अध्ययन।
2. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का अध्ययन।

इकाई –4

1. कथक नृत्य के वस्तुक्रम का सविस्तार अध्ययन।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन की आधुनिक प्रवृत्तियों का अध्ययन।

इकाई –5

1. कथक नृत्य में योग के महत्व तथा कथक नृत्य और योग के सम्बंध का अध्ययन।
2. कथक नृत्य के निम्नलिखित सुप्रसिद्ध कलाकारों का कथक नृत्य में योगदान का अध्ययन।
   सितारा देवी, कुमुदिनी लाखिया, रोहिणी भाटे एवं दमयंती जोशी

Mandavi 16.3.21 16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–100
(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

कथक नृत्य का प्रायोगिक सिद्धांत

इकाई –1

1. उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय ताल पद्धतियों का अध्ययन।
2. कथक नृत्य में सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों के प्रयोग एवं महत्व का अध्ययन।

इकाई –2

1. कथक नृत्य में प्रयोग होने वाले विभिन्न लयकारियों का अध्ययन।
2. कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन की विषेशताओं का अध्ययन।

इकाई –3

1. नृत्य से सम्बंधित सामान्य विषयों पर निबंध।
2. नृत्य से सम्बंधित विषयों पर शोध आलेख की संरचना का अध्ययन।

इकाई –4

1. कथक नृत्य में संयुक्त एवं असंयुक्त हस्त मुद्राओं के प्रयोग का अध्ययन।
2. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित नायिका भेद से संबंधित कथानकों का अध्ययन।

इकाई –5

1. प्रायोगिक में सीखे हुये विभिन्न ताल एवं आमद, तोड़े, परन, कवित्त एवं तिहाई आदि को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

Mandavi 16.3.21

16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–द्वितीय सेमेस्टर

प्रायोगिक

(मौखिक एवं प्रदर्शन)

पूर्णांक 100

(आंतरिक 30 बाह्य 70)

1. विष्णु वंदना और सरस्वती वंदना से संबंधित श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. पूर्व सेमेस्टर में ताल त्रिताल में सीखे गये बोलो के अतिरिक्त तिस्र एवं मिस्र जाति में तोड़ा या परन तथा अतीत व अनागत के बोलों का अभ्यास।
3. निम्नलिखित गतभाव का प्रदर्शनः–

   'कालिय़ा दमन' एवं 'होली'।
4. ताल 'रूद्र' और ताल 'सवारी' में निम्नलिखित अनुसार नृत्य प्रदर्शन का अभ्यासः–

   एक आमद, दो परन, दो तोड़ा/टुकड़ा, दो चक्ककरदार तोड़ा, दो चक्करदार परन, एक प्रिमलू एक कवित्त एवं तिहाई।
5. किसी एक ठुमरी, तराना एवं भजन में नृत्य का अभ्यास।
6. 'मुरली' एवं घूँघट के विभिन्न प्रकारों का गतनिकास में प्रदर्शन।
7. किसी भी गीत रचना में नृत्य संरचना करने का अभ्यास।

Nandini 16.3.21

16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

नृत्य संकाय, कथक विभाग

एम.पी.ए. तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

समय – 3 घंटा

पूर्णांक – 100
(आंतरिक –30, बाह्य – 70)

नृत्य से संबंधित नाट्य शास्त्रीय ग्रंथ एवं लोक विधायें

इकाई –1

1. भारत में लोकनृत्य का इतिहास एवं विकास का अध्ययन।
2. भारत में लोकनाट्य का इतिहास एवं विकास अध्ययन।

इकाई –2

1. निम्नलिखित लोकनृत्यों का अध्ययनः–
   बीहू, भांगड़ा, गरबा, घूमर, लावणी, करमा, पंथी, कोलाट्टम।
2. निम्नलिखित लोकनाट्यों का अध्ययनः–
   रामलीला, रासलीला, नौटंकी, अंकिया नाट, भवाई, तमाशा, पंडवानी, यक्षगान।

इकाई –3

1. आचार्य भरत एवं 'नाट्यशास्त्र' का संक्षिप्त अध्ययन।
2. आचार्य नंदिकेश्वर एवं 'अभिनय दर्पण' का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई – 4

1. आचार्य शारंगदेव एवं 'संगीत रत्नाकर' का संक्षिप्त अध्ययन।
2. आचार्य धनंजय एवं 'दशरूपक' का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई – 5

1. 'नाट्यशास्त्र' में वर्णित रंगशाला का अध्ययन।
2. 'नाट्यशास्त्र' के अनुसार 'लोकधर्मी', 'नाट्यधर्मी' एवं पूर्वरंग का अभ्यास।

Mandavi 16.3.21 16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–100
(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

अनुसंधान प्रक्रिया एवं सौन्दर्य शास्त्र

इकाई –1

1. शोधप्रविधि के सामान्य ज्ञान के साथ अनुसंधान की परिभाषा एवं उनकी प्रक्रिया का अध्ययन।
2. शोध विषय के चयन एवं शोध संरचना का अध्ययन।

इकाई –2

1. कला की परिभाषा एवं वर्गीकरण।
2. नृत्य का अन्य ललित कलाओं से संबंध।

इकाई –3

1. रस एवं भाव का विस्तृत अध्ययन।
2. विभिन्न व्याख्याकारों के अनुसार रस निष्पत्ति का अध्ययनः–
   भट्टनायक, भट्टलोलट, श्रीशंकुक, अभिनव गुप्त।

इकाई –4

1. भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों के अनुसार सौन्दर्य शास्त्र का अध्ययन।
2. आचार्य भरत के अनुसार रस निष्पति का अध्ययन।

इकाई –5

1. प्रायोगिक पाठ्यक्रम अनुसार तालों एवं उनमें सीखे हुये तोड़े/टुकड़े, परन, आमद, कवित्त, प्रिमलू तथा तिहाई आदि को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

16.3.21 16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–तृतीय सेमेस्टर

पूर्णांक - 100

प्रायोगिक (मौखिक एवं प्रदर्शन) आंतरिक - 30

बाह्य - 70

1. कृष्ण वंदना एवं दुर्गा स्तुति में नृत्य प्रदर्शन।
2. ताल त्रिताल में पूर्व के सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अतिरिक्त निम्नलिखित का अभ्यासः–

   दर्जा, नवहक्का, गणेशपरन, शिव तांडव परन।
3. घूँघट, बिन्दिया एवं रूखसार गतनिकास का प्रदर्शन।
4. रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्ही तीन परनों में नृत्य प्रदर्शन का अभ्यास।
5. ताल अष्टमंगल में निम्नलिखित अनुसार नृत्य करने का अभ्यासः–

   थाट, एक आमद, दो तोड़ा/टुकड़ा, दो परन, दो चक्करदार तोड़ा, दो चक्करदार परन, एक प्रिमलू, एक कवित्त एवं तिहाई का अभ्यास।
6. 'मोहिनी भष्मासुर' गतभाव का प्रदर्शन।
7. चतुरंग, ठुमरी एवं भजन पर नृत्य प्रदर्शन।

Mandani 16.3.21

16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–100
(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

पूर्वी और दक्षिणी एशियाई देशों की नृत्य/नाट्य परंपरा

इकाई –1

1. बैले का इतिहास एवं विकास।
2. श्री उदयशंकर जी की जीवनी एवं भारतीय नृत्य में उनका योगदान।

इकाई –2

1. पूर्वी एशियाई (चीन, जापान, कोरिया) दक्षिण एशियाई (बांगलादेश, पाकिस्तान एवं श्रीलंका) की नृत्य नाट्य परंपरा का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई –3

1. दक्षिण पूर्व एशियाई (इंडोनेशिया, थाइलैन्ड, वियतनाम, कंबोडिया, म्यांमार, फिलीपीन्स और लाओस) देशों की नृत्य और नाटय परंपरा का संक्षिप्त अध्ययन।

इकाई –4

1. गुरू रविन्द्रनाथ टैगोर की जीवनी एवं नृत्य नाटिका के क्षेत्र में उनके योगदान का अध्ययन।
2. मैडम मेनका की जीवनी एवं नृत्य के क्षेत्र में उनके योगदान का अध्ययन।

इकाई –5

1. नृत्य संरचना के क्षेत्र में शांति वर्धन, सचिन शंकर, मृणालिनी साराभाई, मायाराव, कुमुदिनी लाखिया, मंजुश्री चाकी सरकार, चंद्रलेखा तथा अस्तद देबू जैसे कलाकारों के कार्यों के माध्यम से नृत्य के विकास का अध्ययन।

16.3.21

16/03/21

इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–चतुर्थ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

समय–3 घण्टा

पूर्णांक–100
(आंतरिक – 30,बाह्य – 70)

कथक नृत्य का शास्त्रीय एवं प्रायोगिक सिद्धांत

इकाई –1

1. पाद भेद का विस्तृत अध्ययन।

इकाई –2

1. 'अभिनय दर्पण' के अनुसार दशावतार हस्तों का अध्ययन।
2. कथक नृत्य प्रदर्शन को सफल बनाने वाले निम्नलिखित तत्वों का विस्तृत अध्ययन।
   रंगमंच व्यवस्था, वेशभूषा एवं रूपसज्जा, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, पार्श्व संगीत

इकाई –3

1. 'अभिनय दर्पण' के अनुसार जाति हस्त एवं नवग्रह हस्त का अध्ययन।
2. फरमाइशी, दर्जा, नवहक्का, अतीत एवं अनागत का अध्ययन।

इकाई –4

1. नृत्य से संबंधित सामान्य विषयों पर निबंध।
2. कथक नृत्य में भाव प्रदर्शन में प्रयोग होने वाले ठुमरी, भजन, ध्रुपद, धमार, होरी, अष्टपदी तथा दादरा गीत प्रकारों का अध्ययन।

इकाई –5

1. पाठ्यक्रम में सीखे हुये आमद, तोड़े, परन, प्रिमलू तोड़े/टुकड़े तिहाई तथा कवित्त आदि को लिपिबद्ध करने का अभ्यास।

16.3.21

16/03/21

इंदिरा कला संगीत विष्वविद्यालय, खैरागढ़

कथक नृत्य

एम.पी.ए.–चतुर्थ सेमेस्टर

प्रायोगिक (गायन एवं प्रदर्शन) पूर्णांक 100

(आंतरिक 30 बाह्य-70)

1. शिववंदना से सम्बंधित किन्ही दो श्लोक में भाव प्रदर्शन।
2. पूर्व सेमेस्टर में ताल त्रिताल में सीखे गये बोलों के अभ्यास के साथ क्रमलय एवं तत्कार के विभिन्न प्रकारों का विशिष्ट प्रदर्शन।
3. राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किन्हीं दो परन एवं दो छंद में नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।
4. 'द्रौपदी वस्त्रहरण' गतभाव एवं किन्ही चार गतनिकास का प्रदर्शन।
5. ताल ब्रसंत में निम्नलिखित अनुसार नृत्य का अभ्यासः–
   थाट, एक आमद, तीन तोड़ा/टुकड़ा, दो परन, एक चक्करदार तोड़ा, एक चक्करदार परन एक प्रिमलू, एक कवित्त एवं तिहाईयाँ।
6. राजा चक्रधर सिंह द्वारा रचित किसी एक ठुमरी अथवा गीत रचना में नृत्य प्रदर्शन।
7. नवरस का प्रसंग अनुसार भाव प्रदर्शन करने का अभ्यास।
8. किसी एक भजन, ठुमरी अथवा तराना में नृत्य प्रदर्शन।

Mandani 16.3.21

16/03/21